



भारत का दावत The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 123]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 29, 1982/आषाढ़ 8, 1904

No. 123]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 29, 1982/ASADHA 8, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी आसी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य संसाधन

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 33 आईटीसी (पीएम) /82

नई दिल्ली, 29 जून, 1982

बिषयः—विवेष में प्रवर्णनों के लिए हस्तशिल्प और हथकरघा नियंत्रण नियम द्वारा स्वर्ण आभूषणों/वस्तुओं का नियंत्रण

(सिर्जित सं. 6/182/8/1 ईटीसी -- 1982-83 के द्वारा वाणिज्य संसाधन द्वारा प्राधीनिक और स्वर्ण वस्तुओं के वेषों में लार्इ गई प्रदर्शनियों में हस्तशिल्प और हथकरघा नियंत्रण नियम द्वारा विक्री के लिए स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं के नियंत्रण और प्रतिपूर्ति के रूप में सोने के आयात के लिए योजना इस सार्वजनिक सूचना के लिए अनुबंध में वी गई है।

रोमा मजुमदार, मूल्य नियंत्रक, आयात एवं नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 33 आईटीसी/(पीएम) 82,

विनांक : 29-6-1982 के लिए अनुबंध

1982-83 के द्वारा स्वर्ण पूर्वी दरों (प्रत्व और आड़ी के दरों में लार्इ जाने वाली अनुमानित पर्दशनियों में हस्तशिल्प और हथकरघा नियंत्रण नियम, भारत सिंह द्वारा विक्री के लिए स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं के नियंत्रण के लिए योजना।

इस योजना के प्रधीन केवल स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 यथाधिकारित स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं (सिर्जित को लोडकर) के नियंत्रण के लिए अनुप्रति प्रदान की जाएगी। नियंत्रण के लिए भवे 0.5833 पूद्दता के स्वर्ण से कम की तरी ही दौली आष्टा, जो 14 कीरद के समाप्त है।

2. नियंत्रित उत्तराधिकार और हथकरघा नियंत्रण नियम या इसके साथ योग्यता द्वारा किया जाएगा। पात्र संस्थानी नियंत्रित व्यक्तियों के व्यक्ति होने विक्री पर्याप्त स्वर्ण नियंत्रण कानून के प्रतीत वेच आयाती नाइसेंस होने :-

- (1) रत्न आभूषण नियंत्रित संवर्धन परिवर्त द्वारा जारी किए गए वेच पंजीकरण प्रमाणपत्र रखने वाले पात्रोंने नियंत्रण;
- (2) प्रमाणित स्वर्णवारों को संशारी गवितिवार; और
- (3) मूल्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए नियंत्रण सदन प्रमाणपत्रों के धारक नियम जो सरकार द्वारा स्वामित्व प्राप्त या नियंत्रित हों।

3. इस योजना के प्रधीन आयाती रिजर्व बैंक के विशिष्ट या सामाजिक अनुमोदन के साथ प्रदर्शनी वालों के लिए नियंत्रण प्रयोग के आधार पर किए जायेंगे। नियंत्रण की जाने वाली प्रत्येक सद, उसका कुन भार/मूल्य और स्वर्ण वस्तु का भार और उद्दता के ब्वारे साक्षात् दिए जाएंगे। उत्तर्युक्त स्वर्ण वस्तु के अतिरिक्त जड़िन मदों के मामलों में उनके वितरण में प्रयुक्त द्वारा वाली मद का विकरण/भार/परवर्त/रसन/मोती का मूल्य

और साथ ही साथ सोने में प्रतिश्वत करने के लिए उत्तम भी जाइ अब
बहुमूल्य धातु का विवरण भी दिया जाएगा।

4. नियंत्रित करने समय सीमा-गुरुद्वारा प्राधिकरणी इह बात का नियापत करने के लिए यह जांच करेगा कि नियंत्रित के लिए पर्याप्त नक्ष में इतरांग होने वाले सोने का भार और पुरुद्वारा यांत्रिक प्राधिकरण विवरण में नियंत्रित द्वारा भी गई घोषणा के अनुमति है या नहीं।

5. नियंत्रित इस शर्त के अधीन हाता फि (1) वा फिरीज़ मर्द विवेश में बेची नहीं जाती के प्रश्नों के प्रमाण होने के 15 दिनों से भीतर भारत में पुनः आयात की जाती और (2) फिरीज़ में बेची गई भर्डी के संबंध में उनकी सोने की आपा प्रदानी जनावर दीने के अधिकार से अधिक 15 दिनों के भीतर प्रतिश्वत के लिए में अतारा को जारी। आयात की अनुमति दी गई पहले भारत का हस्तांश और हथकरण नियंत्रित निगम लिंग सीमा-गुरुद्वारा प्राधिकरणी के भाव हवा संवंध में एक बोध नियापत करेगा।

6. इस योजना के अधीन बेचे गए और फिरीज़ के संबंध में सोने की बस्तु के मूल्य पर कम से कम 15% और मूल्य जांच जारी की जाए गए मूल्य की गणना बेचे गए और नियंत्रित गर्दी में जाने की बस्तु के मूल्य के संबंध में की जाएगी उदाहरणार्थ, यदि नियंत्रित की जाने वाली और बेची जाने वाली मद का जहाज पर्यंत नियुक्त मूल्य 100 रु. है तो प्रतिश्वत कीमतों पर गणना दिए गए गुद्ध सोने का मूल्य 87 रु. या इससे कम होना चाहिए। ज़िक्रित मदों के मानसे में और सोने और मन्द मदों का कुल मूल्य अधिक सणि, रत्न, गोदी और अमूल्य धातु यदि कोई हो, जिसका उपयोग नियंत्रित उत्तराद के विभिन्नों में किया जाता है, 87/- रु. होना चाहिए।

7. विवेश में प्रतिश्वत के रूप में सोने की घटी भारतीय रेट वाले या जाहा पर प्रवर्णनी लगाई गई हो उस जगह पर उनके विधिवत प्राधिकरणी अधिकारी की सहायता में की जाएगी। हस्तांश का सुलिखन य किया जाएगा कि सोने को अचार्ड गई कीमत हाती है जो नियंत्रित आमूल्यों के द्विगुणतम 15% से अधिक नियंत्रित मूल्य में किया भी समय कही न करे। सोने की माला की गणना करने के प्रयोगत के लिए हस्तांश और हथकरण नियंत्रित निगम उभय सीमा-गुरुद्वारा प्राधिकरणी द्वारा जिसने नियंत्रित की स्वीकृति दी थी यथा प्रमाणित नियंत्रित मद की सोने की बस्तु के भार को नियमितित में जो भी उपरुप हो उनसे गुणा करेगा।

(1) यदि घोषणा केरद्दस में है तो उनके केरेंग फि 24 में विषय-जित करके ; अथवा

(2) यदि घोषणा शुद्धारा में है तो उनकी शुद्धारा/गुद्ध सोने के हन प्रकार परियाणित अंकड़े पहुंच ग्राम के 10 वें भाग के नामग सक गिने जाएंगे। किसी भी प्रकार ने अपनाय भाग के द्विगुण कोई छूट नहीं दी जाएगी।

8. हस्तांश एवं हथकरण नियंत्रित निगम द्वारा प्रतिश्वत के रूप में भारत में आयातित सोना भारत नरसाराय की टक्काल में जमा दिया जाएगा। जो बाद में पात्र सूचीयों को दिया हिता जाएगा। हस्तांश एवं हथकरण नियंत्रित निगम को अन्वर्ष या कलशता में भारत नरसाराय जी टक्काल में आयातित सोने को उसी दिन जमा करना पड़ेगा जिस दिन भीमा शुद्ध के माध्यम से गोने की नियाती कुई है या उनसे अग्रोदित जमा करना पड़ेगा, और टक्काल के प्राधिकारियों ने नमीद प्राप्त करनी हीगी। चूंकि टक्काल की सुविधाएं केवल अम्बई और कलशता में ही उपलब्ध हैं, इसलिए इस योजना के अन्तर्गत आयातित सोना के नन्हीं दो स्थानों पर अयोग करने के लिए अनुमति हिता जाता जाएगा। आयातित सोना टक्काल द्वारा 995 शुद्धारा की मानक छाँटों में परिवर्तित किया जाएगा। हस्तांश एवं हथकरण नियंत्रित निगम नियंत्रित मदों में अमूल्य और विवेश में प्रशंसितों ये बेचे गए मर्दों ये प्रयुक्त सोने के

नियंत्रित नियंत्रित के रूप में उपयोग किया जाते जाने सोने के लिए टक्काल से अर्पणा सोने की माला प्राप्त करती।

9. इस योजना के अन्तर्गत मर्दों का नियंत्रित विवेश के लिए यह जांच करेगा कि नियंत्रित के लिए पर्याप्त नक्ष में इतरांग होने वाले सोने का भार और पुरुद्वारा यांत्रिक प्राधिकरण विवरण में नियंत्रित द्वारा भी गई घोषणा के अनुमति है या नहीं।

10. हस्तांश एवं हथकरण नियंत्रित निगम किए गए नियंत्रित विवेश में बेचे गये माल, युग्म आयातित नाम और विवेश में बेचे गए गम और भारत में जलात दिए गए जाने का प्रयुक्त रिकार्ड रखेंगी। प्रत्येक प्रवर्णी की गमाली पर हस्तांश एवं हथकरण नियंत्रित अनुमति पृष्ठ देखा देने के लिए एक चिन्ह आदाना दिये देने वैकल्पिक विवरण में जारी रखेंगे। यांत्रिक प्राधिकरण, मुख्य नियंत्रित, आयात-नियंत्रित और केंद्रीय आकारी एवं सीमा शुद्ध के प्रधिकारियों द्वारा समाप्ति को बेचेंगी।

11. स्वर्ण नियंत्रण विविध वर्षों में रूप से लागू होंगे।

MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 33-ITC(PN)/82

New Delhi, the 29th June, 1982

Subject : Export of gold ornaments/articles by Handicrafts and Handloom Export Corporation, for exhibitions abroad.

File No. 6/182/81-EPC.—The scheme for export of gold ornaments and articles for sale at the exhibitions approved by the Ministry of Commerce and organised in Middle East Countries (Arabian and Gulf countries) by the Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Ltd., New Delhi, during the year 1982-83, and for import of gold as replenishment, is given in the Annexure to this Public Notice.

ROMA MAZUMDAR, Chief Controller
of Imports & Exports

ANNEXURE TO PUBLIC NOTICE NO. 33-ITC (PN)/82 dated the 29-6-1982

Scheme for export of gold ornaments and articles for sale at approved exhibitions to be held in Middle East countries (Arabian and Gulf countries) organised by Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited, during 1982-83.

Under this Scheme, export of gold ornaments and articles (Other than coins) as defined in the Gold (Control) Act, 1968, will alone be allowed. The items for export should be made of gold of purity not less than 0.5833 fineness which corresponds to 14 carats.

2. The export will be made by HHEC or its associates. The eligible associates will be the following categories of persons holding valid dealer's licence under the Gold Control law:—

- Registered Exporters having valid Registration Certificates issued to them by the Gem and Jewellery Export Promotion Council;

- (ii) Cooperative Societies of certified goldsmiths ; and
- (iii) Corporations owned or controlled by Government holding Export House Certificates issued by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

3. Under this scheme, exports will be made on consignment basis for holding exhibitions with the specific or general approval of the Reserve Bank of India. The description of each item exported, its total weight/value, and the weight and purity of its gold content, shall be clearly given. In the case of studded items, in addition to gold content as above, the description/weight/value of the stones/gems/pearls used in their manufacture, as well as the description/weight/value of any other precious metals used for alloying gold shall also be given.

4. At the time of export, the customs authority will check to verify that the weight and purity of gold used in each item for export is as per the exporter's declaration in the relevant shipping bill.

5. The export shall be subject to the conditions that (i) the items exported which are not sold abroad shall be re-imported into India within 15 days of the close of the exhibition, and (ii) in respect of the items sold abroad, the gold content thereof shall be imported as replenishment not later than 15 days of the close of the exhibition. The Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited shall execute a bond to this effect with the Customs Authority before export is allowed.

6. A minimum value added of 15 per cent over the value of the gold content will be insisted upon in respect of the goods exported and sold under the scheme. The value added will be calculated with reference to the value of the gold content in the items exported and sold. For example, if the fob value of the item exported and sold is Rs. 100, the value of gold to be replenished shall be Rs. 87 or less. In the case of studded items, the total value of the gold and other items, namely, stones, gems, pearls and other precious metals, if any, used in the manufacture of the item exported and sold shall be Rs. 87 or less.

7. Purchase of gold as replenishment will be made abroad with the assistance of the State Bank of India or their duly authorised agent at the place where the exhibition is held. It will be ensured that the price of gold

paid is such that it does not at any time erode the prescribed minimum value added of 15 per cent for the jewellery exported. For the purpose of calculating the quantity of gold, the HHEC will multiply the weight of the gold content of the exported item, as certified by the Customs authority which allowed the export, by the following whichever is appropriate :—

- (i) Their caratage divided by 24, if the declaration is in carats ; and
- (ii) Their fineness if the declaration is in fineness. The figure of pure gold so calculated will be rounded to the nearest 10th of a gramme. No allowance will be allowed for any wastage.

8. The gold imported into India as replenishment by HHEC will be deposited with the Government of India Mint for subsequent release to eligible associates. The HHEC shall be required to deposit the imported gold in Government of India Mint at ombay or Calcutta either on the same day on which the gold is cleared through the customs, or, at the latest, by the following day, and to obtain a proper receipt from the Mint authorities. Since Mint facilities exist only at Bombay and Calcutta, the gold imported under this scheme should be allowed to be imported only at these two places. The imported gold will be converted by the Mint into standard bars of .995 purity. The HHEC will obtain the requisite quantity of gold from the Mint for being used as replenishment for the gold used in the items exported and sold in the exhibitions abroad.

9. Exports and sales of items under this scheme shall not qualify for any other replenishment/benefit except to the extent of the replenishment of gold content as laid down in this scheme.

10. The HHEC will maintain complete record of exports made, goods sold abroad, goods re-imported and the gold purchased abroad and imported into India. At the end of each exhibition, the HHEC shall submit report to the Reserve Bank of India, the Ministry of Commerce, the Chief Controller of Imports and Exports and the Jurisdictional Collector of Central Excise and Customs, giving complete account as aforesaid.

11. The Gold Control regulations will apply as appropriate.

